

POST GRADUATE DIPLOMA IN  
INTERNATIONAL BUSINESS  
OPERATIONS / MASTER OF  
COMMERCE

Term-End Examination

June, 2018

IBO-06 : INTERNATIONAL BUSINESS FINANCE

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Weightage : 70%

- 
- Note :** (i) Answer any five questions.  
(ii) All questions carry equal marks.
- 

1. Give a detailed account of finance and treasury functions in a company fully involved in international business. Is it different from that of a company engaged in domestic business only ? Explain. 15+5
2. Explain the salient features and present day working of International Monetary System. What are its major weaknesses ? Discuss. 12+8
3. Distinguish between cyclical and structural disequilibrium in balance of payments. What are methods available to restore equilibrium ? Discuss. 10+10

4. How do the changes in the exchange rate affect export-import business of a company ? What measures do these companies adopt to deal with the changes ? Explain. **10+10**
  
  5. Why has it become important for the companies to engage in international cash management ? What are the major issues involved ? Give a detailed account. **10+10**
  
  6. How do the governments assist their exporters in financing exports ? Discuss the institutional framework and the schemes. **6+14**
  
  7. Explain the various Non-DCF (Discounted Cash Flow) and DCF techniques of Project Appraisal. Which of the technique is considered to be the best in your view ? Discuss. **15+5**
  
  8. What-factors influence the design of world wide corporate capital structure ? Briefly describe. **20**
  
  9. Write short notes on any two of the following : **10+10**
    - (a) Regional Development banks
    - (b) International Tax Planning
    - (c) Foreign Exchange Regulations in India
    - (d) Capital asset pricing model
-

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर  
डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि  
सत्रांत परीक्षा  
जून, 2018

आई.बी.ओ.-06 : अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

कुल का : 70%

- नोट : (i) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।  
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. एक ऐसी कंपनी, जो केवल अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में ग्रस्त है, के वित्तीय एवं खजाना कार्यों का विस्तृत विवरण दीजिए। क्या यह एक ऐसी कंपनी से भिन्न है जो कि केवल घरेलू व्यवसाय में ही ग्रस्त है? 15+5
2. अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली की वर्तमान कार्यशैली के मुख्य अभिलक्षणों की व्याख्या कीजिए। इसकी मुख्य कमजोरियाँ क्या हैं? विवेचन कीजिए। 12+8
3. भुगतान शेष के चक्रीय (cyclical) तथा संरचनात्मक (structural) असंतुलन में अंतर कीजिए। असंतुलन के पुनःस्थापन के लिए क्या पद्धतियाँ उपलब्ध हैं? विवेचन कीजिए। 10+10

4. विनिमय दर में होने वाले परिवर्तन किसी कंपनी के आयात-निर्यात व्यापार को कैसे प्रभावित करते हैं? ऐसे परिवर्तनों से निपटने के लिए ऐसी कंपनियाँ क्या उपाए अपनाती हैं? व्याख्या कीजिए। 10+10
5. कंपनियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय रोकड़ प्रबंध में संलग्न होना क्योंकर महत्त्वपूर्ण हो गया है? इसमें क्या मुद्दे (issues) निहित हैं? सविस्तर व्याख्या कीजिए। 10+10
6. निर्यात वित्तीयन में सरकारें अपने निर्यातकर्ताओं को कैसे सहायता प्रदान करती हैं? संबद्ध संस्थात्मक ढांचे तथा योजनाओं का विवेचन कीजिए। 6+14
7. परियोजनाओं के मूल्य निरूपण की विभिन्न गैर-डी.सी.एफ. (गैर-कटौतीपूर्ण रोकड़ प्रवाह) तथा डी.सी.एफ. (कटौतीपूर्ण रोकड़ प्रवाह) प्रविधियों की व्याख्या कीजिए। आपके विचार में इनमें से कौन सी प्रविधि सर्वोत्तम है? विवेचन कीजिए। 15+5
8. विश्वव्यापी निगम पूंजी संरचना के डिजाइन को प्रभावित करने वाले कारक क्या हैं? संक्षेप में वर्णन कीजिए। 20
9. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10+10
- क्षेत्रीय विकास बैंक
  - अंतर्राष्ट्रीय कर नियोजन
  - भारत में विदेशी मुद्रा नियमन
  - पूंजीगत परिसंपत्ति कीमत-निर्धारण मॉडल (प्रतिरूप)